

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	आषाढ़ 28, शुक्रवार, शाके 1946-जुलाई 19, 2024 Asadha 28, Friday, Saka 1946- July 19, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, जुलाई 18, 2024

संख्या प. 2(42)वन/2024 :-चूंकि इसके साथ संलग्न प्रथम अनुसूची में बतलाई गई वन-भूमि अथवा बंजर भूमि सरकार की सम्पत्ति है या उसमें सरकार स्वामित्वाधिकार रखती है अथवा सरकार उसकी सम्पूर्ण वन उपज या उसके किसी भाग की हकदार है:-

और चूंकि सरकार पूर्वोक्त वन-भूमि और बंजर भूमि को राजस्थान वन-अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप-धारा (1) के अधीन रक्षित वन घोषित करने का विचार रखती है:

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकार और प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा का अभी तक किसी प्रकार अभिलेखन नहीं किया गया है:

और चूंकि सरकार यह भी सोचती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार अथवा प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा के विषय में जांच करवाना और उनका अभिलेखन कराया जाना आवश्यक है, परन्तु इस कार्य में इतना अधिक समय लग जावेगा जिसके बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचने की आशंका है।

अतः अब राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम संख्या 13) की धारा 26 की उप-धारा (3) के प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार एतद् द्वारा वन बन्दोबस्त अधिकारी/सहायक वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकार या प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों की जांच तथा अभिलेखन करने के लिए नियुक्त करती है और ऐसी जांच व अभिलेखन जहां तक व्यवहार्य हो, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,14,17,18,19 में प्रवाहित विधि के अनुसार ही किया जावेगा।

और उपर्युक्त अधिनियम की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार पूर्वोक्त जांच और अभिलेखन होने तक एतद्द्वारा कथित वन-भूमि और बंजर भूमि को रक्षित वन घोषित करती है, परन्तु इससे व्यक्तियों अथवा वर्गों के वर्तमान अधिकारों में कमी नहीं होगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और उसकी धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषित करती है कि इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में दिखाये गये कथित रक्षित वन में स्थित वृक्ष

इस विज्ञप्ति के राज-पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से आरक्षित किए जाते हैं और पूर्वोक्त तारीख में कथित वन में किसी खदान से पत्थर निकालना या चूना या कोयला जलाना या किसी वन उपज का संग्रह किया जाना या किसी निर्माण प्रक्रिया या साधन बनाया जाना और कथित वन में किसी भूमि को कृषि के लिए या मकान बनाने के लिए या पशु-पालन के लिए अथवा किसी अन्य प्रयोजन के लिए तोड़ा जाना साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न - प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन ।

प्रथम अनुसूची

क्र. स.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा विवरण	विवरण			
					ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा हैक्टर	कुल रकबा है.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सागवाडा अ	खेरवाडा	उदयपुर	उत्तर- राज. सरकार दक्षिण- खातेदार पूर्व- खातेदार पश्चिम- खातेदार व वन भूमि	वणीबोर	1423	3.2400	3.240
		खेरवाडा	उदयपुर	उत्तर- राज. सरकार दक्षिण- चारागाह भूमि पूर्व- ग्राम वणीबोर पश्चिम- चारागाह भूमि	विकासनगर	10	2.3400	131.94
						11	4.4600	
						12	0.800	
						13	3.3100	
						286	6.0200	
						288	1.7800	
						290	4.9700	
						291	3.6700	
						292	6.7000	
						293	2.1700	
						294	1.0800	
						296	1.6600	
						297	1.0800	
						298	2.1300	
						299	1.3600	
						300	3.6900	
						87	7.1300	
						3115/288	0.6800	
						3142/289	1.5100	
						3163/87	0.4200	
						3164/88	0.0700	
						3186/88	0.1500	
						3195/12	2.4500	
						376	5.2200	
						377	2.2600	
						90	0.9300	
						378	2.2500	
						91	5.3500	
						379	2.7900	
						380	6.4800	
						381	1.2600	
						382	3.9500	
						383	2.6200	
						5	5.7000	
						6	6.9100	
						7	6.6000	
						8	3.5000	
						86	0.2000	
						88	6.4800	
						89	5.9900	
						9	3.8200	
						किता 42		135.18 है.

(मुकेश सैनी I.F.S.)

उप वन संरक्षक,

उदयपुर

द्वितीय अनुसूची
वनखण्ड - सागवाडा अ
पेडो की सूची

क्र.सं.	अन्तराष्ट्रीय (लेटीन) नाम	स्थानीय नाम
1	Tectona Grandis Linn.	सागवान
2	Diospyros Melanoxylon Roxb.	तेंदू/टिमरू
3	Cassia Auriculata	आंवल छाल
4	Dalbergia Sissoo Roxb.	शीशम
5	Bambusa Arundinacea (Retz.)	बांस
6	Holoptelia Integrifolia Planch	चुरेल
7	Emblica Officianalis Gaertn	आंवला
8	Azadirachta Indica A.Juss.	नीम
9	Madhuca Indica Gmel	महुआ
10	Acacia Catechu Wild	खैर
11	Sapindus Emarginatus Valh	अरीठा
12	Albizia Procera Benth	सिरस (सफेद)
13	Cassia Fistula Linn.	अमलतास, बरडावन
14	Zizyphus Oenoplia	बेर
15	Tamarindus Indica Linn.	ईमली
16	Sterculia Urens Roxb.	कड़ाया
17	Wrightia Tinctoria	खिरनी
18	Terminalia Bellerica (Gaerth) Roxb.	बहेड़ा
19	Soymida Febrifuga Gass.	रोहण

(मुकेश सैनी I.F.S.)

उप वन संरक्षक,

उदयपुर

वन खण्ड- सागवाडा अ

रेंज- खेरवाडा

वन मण्डल- उप वन संरक्षक, उदयपुर

1. सगवाडा अ. सलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि Diversion of 149.3002 hect. Of forest land for open cast Iron ore Mining in favor of M/s Ojaswi Marble & Granite Pvt. Ltd. in District Sikar, Rajasthan हेतु तहसील खरवाडा के ग्राम वणीबोर के आराजी संख्या 1423 रकबा 3.2400 हेक्टर व ग्राम विकासनगर तहसील खेरवाडा के आराजी नं. 10 रकबा 2.3400 है. आ.नं. 11 रकबा 4.4600 है. आ.नं. 12 रकबा 0.8000 है. आ.नं. 13 रकबा 3.3100 है आ.नं. 286 रकबा 6.0200 है. आ.नं. 288 रकबा 1.7800 है. आ.नं. 290 रकबा 4.9700 है. आ.नं. 291 रकबा 3.6700 है. आ.नं. 292 रकबा 6.7000 है. आ.नं. 293 रकबा 2.1700 है. आ.नं. 294 रकबा 1.0800 है. आ.नं. 296 रकबा 1.6600 है. आ.नं. 297 रकबा 1.0800 है. आ.नं. 298 रकबा 2.1300 है. आ.नं. 299 रकबा 1.3600 है. आ.नं. 300 रकबा 3.6900 है. आ.नं. 87 रकबा 7.1300 है. आ.नं. 3115/288 रकबा 0.6800 है. आ.नं. 3142/289 रकबा 1.5100 है. आ.नं. 3163/87 रकबा 0.4200 है. आ.नं. 3164/88 रकबा 0.0700 है. आ.नं. 3195/12 रकबा 2.4500 है. आ.नं. 376 रकबा 5.2200 है. आ.नं. 377 रकबा 2.2600 है. आ.नं. 90 रकबा 0.9300 है. आ.नं. 378 रकबा 2.2500 है. आ.नं. 91 रकबा 5.3500 है. आ.नं. 379 रकबा 2.7900 है. आ.नं. 380 रकबा 6.4800 है. आ.नं. 381 रकबा 1.2600 है. आ.नं. 382 रकबा 3.9500 है. आ.नं. 383 रकबा 2.6200 है. आ.नं. 5 रकबा 5.7000 है. आ.नं. 6 रकबा 0.2000 है. आ. नं. 3186/88 रकबा 0.1500 हैक्टर कुल किता 42 कुल रकबा 135.18 हैक्टर वर्गीकरण पहाड क्रमशः बिलानाम है, जिसका विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. इस क्षेत्र में पौधारोपण / विकास कार्य करवाया गया है तथा कोई खनन कार्य नहीं हुए है। भविष्य में इस क्षेत्र में क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण / विकास कार्य कराए जाना प्रस्तावित है।
4. भूमि पर वृक्षों की घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.2 प्रतिशत है। तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों झाड़ियों का लगभग 0.2 प्रतिशत कमशः है तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र वनखण्ड सागवाडा अ (वन) भूमि है तथा चारों ओर की सीमा का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वन खण्डों के वाछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है एव विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमा स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी.टी. शीट पर चिन्हित किया जाकर प्रस्ताव के साथ सलग्न किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब तक उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजन में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य हो सके।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

(मुकेश सैनी I.F.S.)

उप वन संरक्षक,

उदयपुर